बहादुर गधा, कायर शेर और चतुर लोमड़ी

एक फ़ारसी लोककथा

कम्बॉक्स अज़ोर्डगन, चित्र: जॉनी साजेम

बहादुर गधा, कायर शेर और चतुर लोमड़ी

एक फ़ारसी लोककथा

कम्बॉक्स अज़ोर्डगन

चित्र: जॉनी साजेम

एक समय की बात है, डैनियल नाम का एक बहादुर गधा था, जो अपने परिवार के साथ एक आरामदायक अस्तबल में रहता था.

उस अस्तबल में खाने के लिए हमेशा पर्याप्त घास और पीने के लिए ढेर सारा साफ़ ताज़ा पानी होता था.

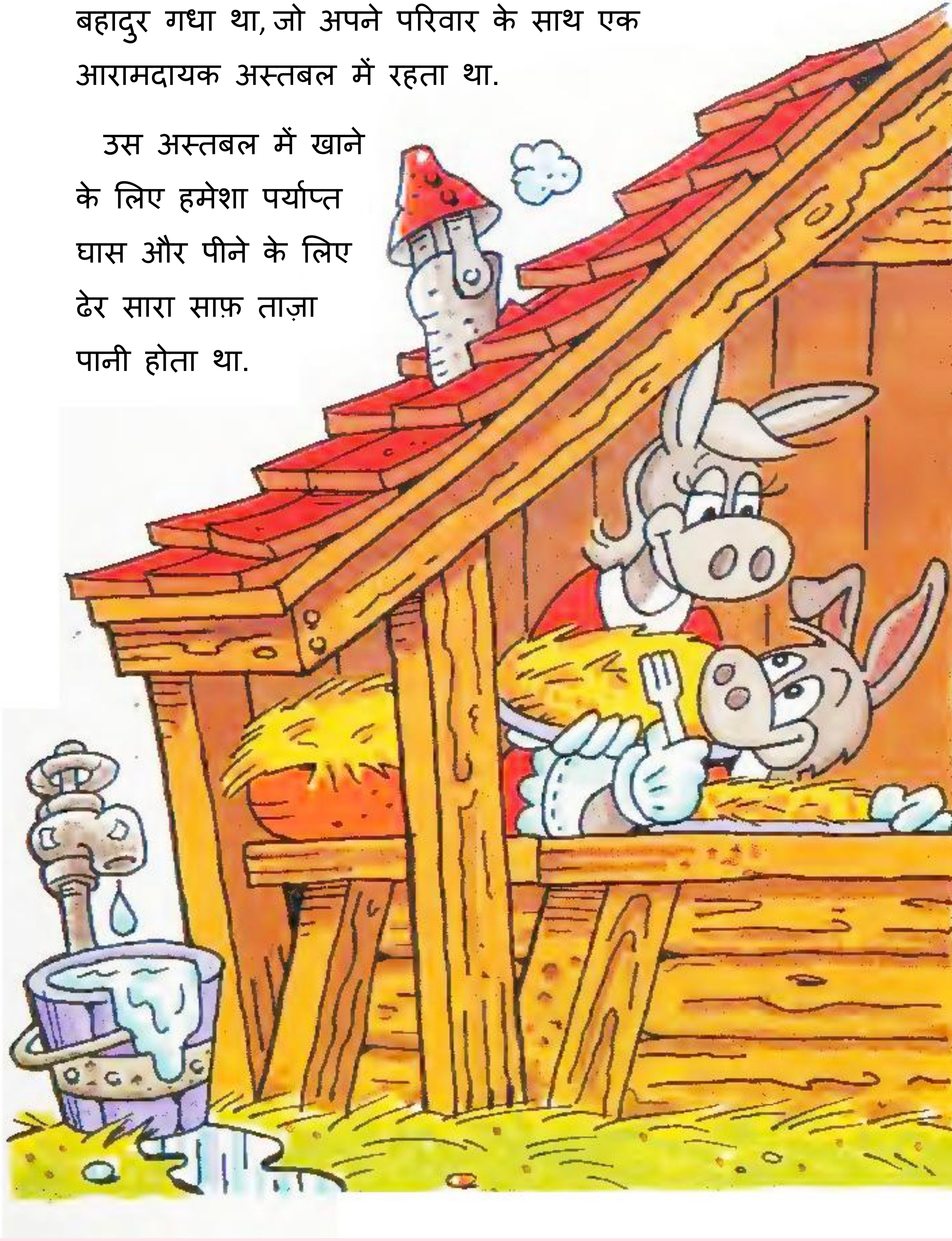

हालाँकि डैनियल अपने घर और परिवार से बहुत प्यार करता था, फिर भी वह अस्तबल छोड़कर अकेले दुनिया की सैर करना चाहता था.

डैनियल का मानना था कि अगर वह अकेला रहेगा, तो उसे किसी नियम का पालन नहीं करना पड़ेगा और कोई भी उसे हर समय यह नहीं बतायेगा कि उसे क्या करना है.

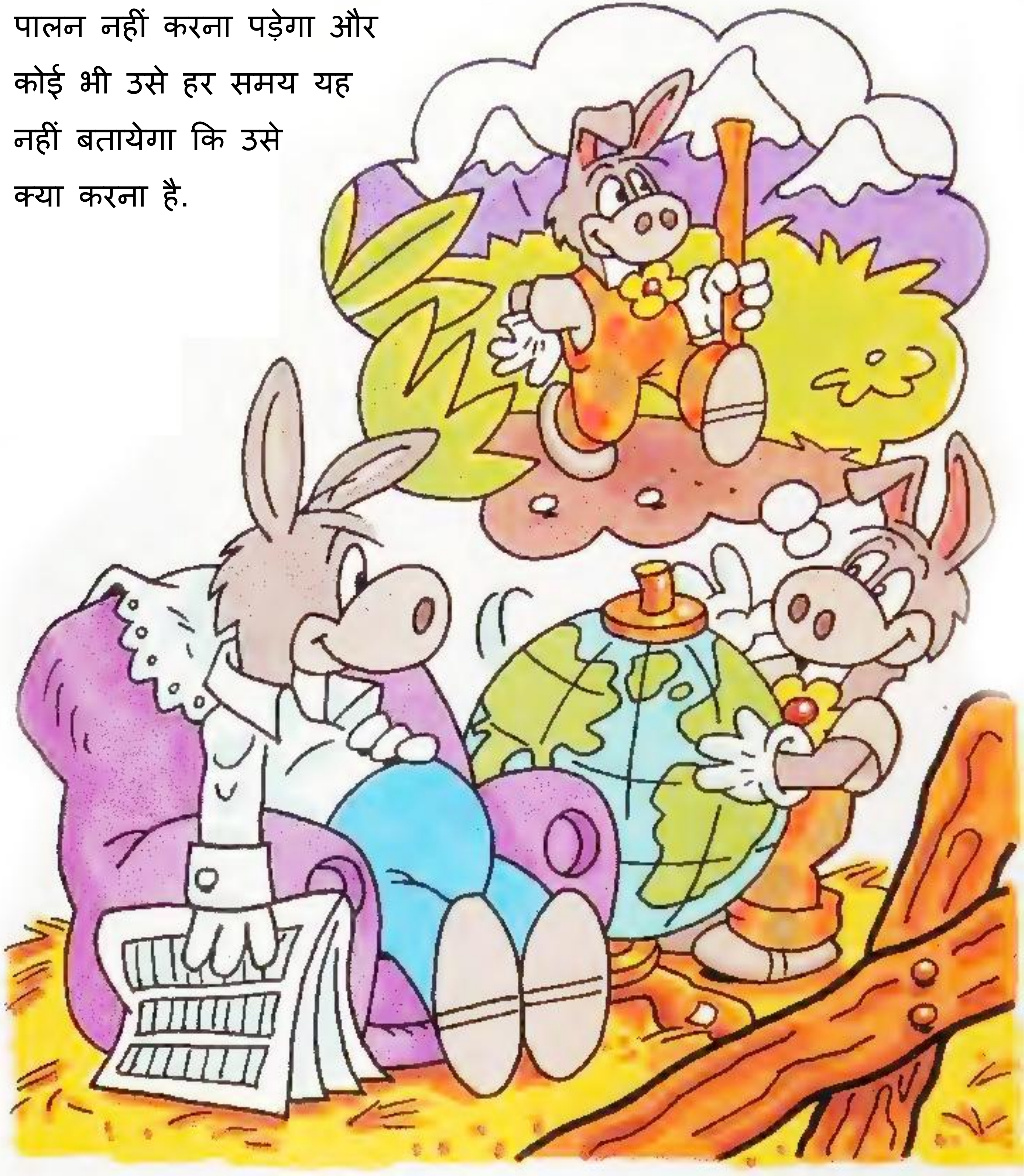

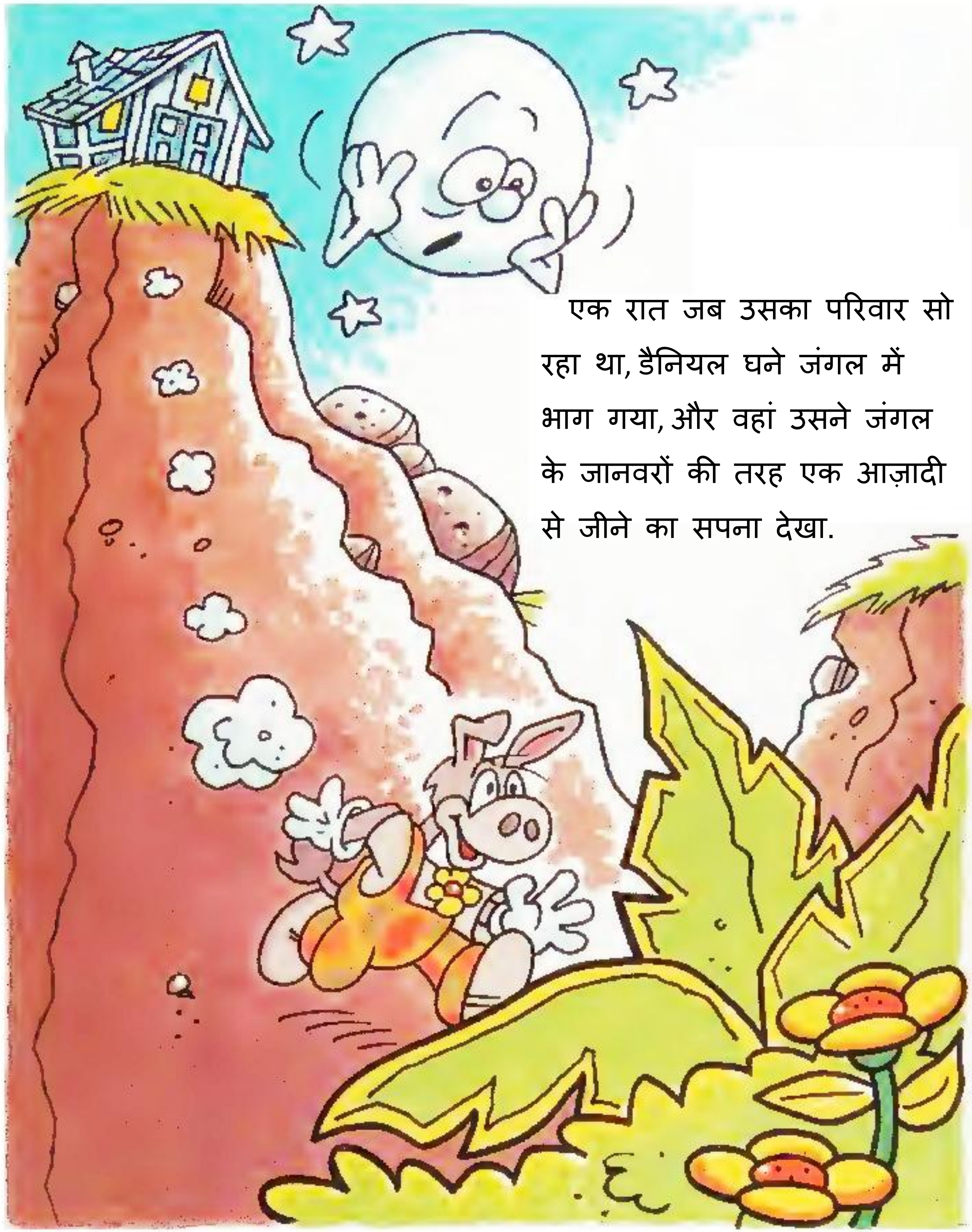

एक रात जब उसका परिवार सो रहा था, डैनियल घने जंगल में भाग गया, और वहां उसने जंगल के जानवरों की तरह एक आज़ादी से जीने का सपना देखा.

कुछ समय तक, उसने खूब मस्ती की. क्योंकि उसे टोकने वाला कोई नहीं था, वह सारा दिन खेलता रहा और अपनी मर्ज़ी से करता रहा.

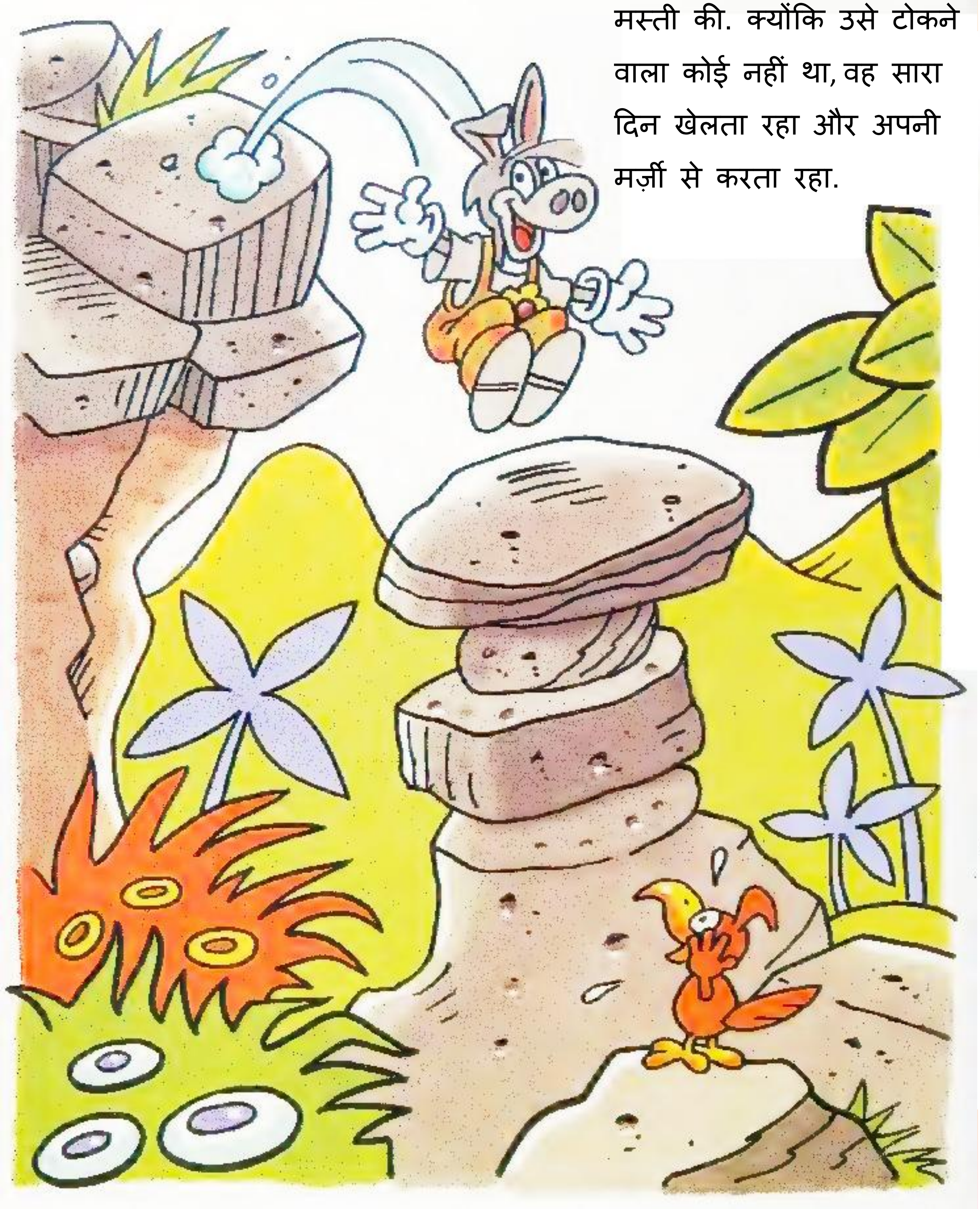

एक दिन, डैनियल एक भयंकर आवाज़ से डर गया.

वह जानता था कि यह आवाज़ शेर की दहाड़ है - जानवरों के राजा की!

"मुझे बहादुरी से काम लेना होगा,
वरना वह शेर मुझे खा जाएगा!"
डैनियल ने जल्दी से सोचा.

"मैं अपनी तेज़ आवाज़
में दहाड़ूंगा कि शेर सोचेगा
कि मैं उससे बड़ा हूँ."

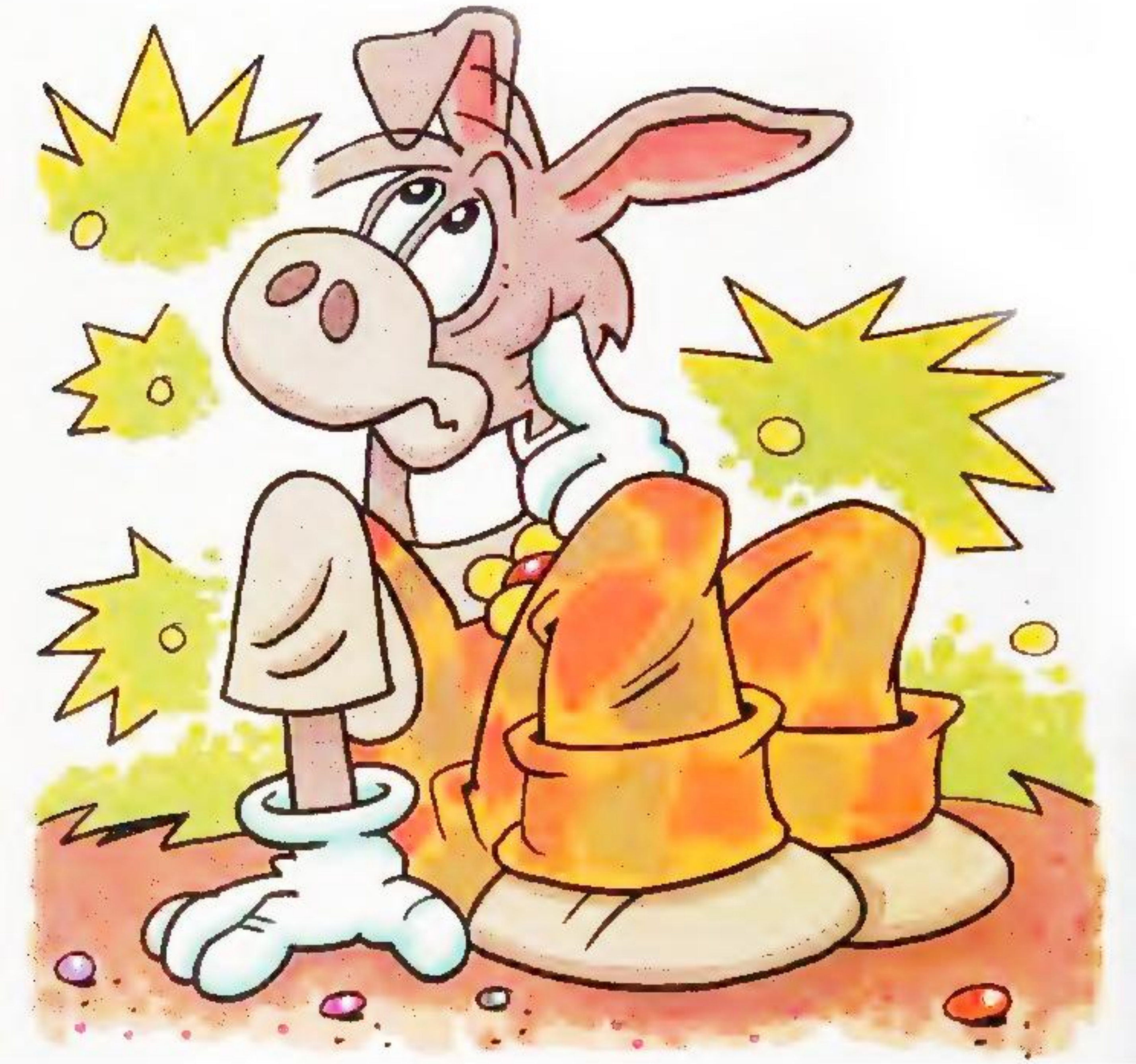

डैनियल बहुत ज़ोर से और भयंकर आवाज़ में दहाड़ा, "ढेंचू! ढेंचू!"

शेर, जिसका नाम हार्टले था, वो आवाज़ सुनकर इतना चौंक गया कि वह झाड़ियों से निकलकर डैनियल के पास भागा!

"कौन सा जानवर इतनी भयानक आवाज़ निकाल रहा है?" हार्टले ने पूछा. "तुम कौन हो?"

डैनियल ने देखा कि शेर भी उतना ही डरा हुआ था जितना वह था. उसने गहरी और शक्तिशाली आवाज़ में जवाब दिया, "तुम कौन हो, और यहाँ क्या कर रहे हो?"

"ओह, मेरा नाम हार्टले है, और मैं तुम्हारी सेवा करने आया हूँ!" हार्टले फुसफुसाया.

"अच्छा," डैनियल ज़ोर से बोला, "मेरा नाम शेर-शिकारी है, और आज से तुम मेरे नौकर बनोगे! मेरा नियम है: अगर तुमने तीन गलतियाँ कीं, तो तुम्हें जंगल से हमेशा के लिए निकाल दिया जाएगा."

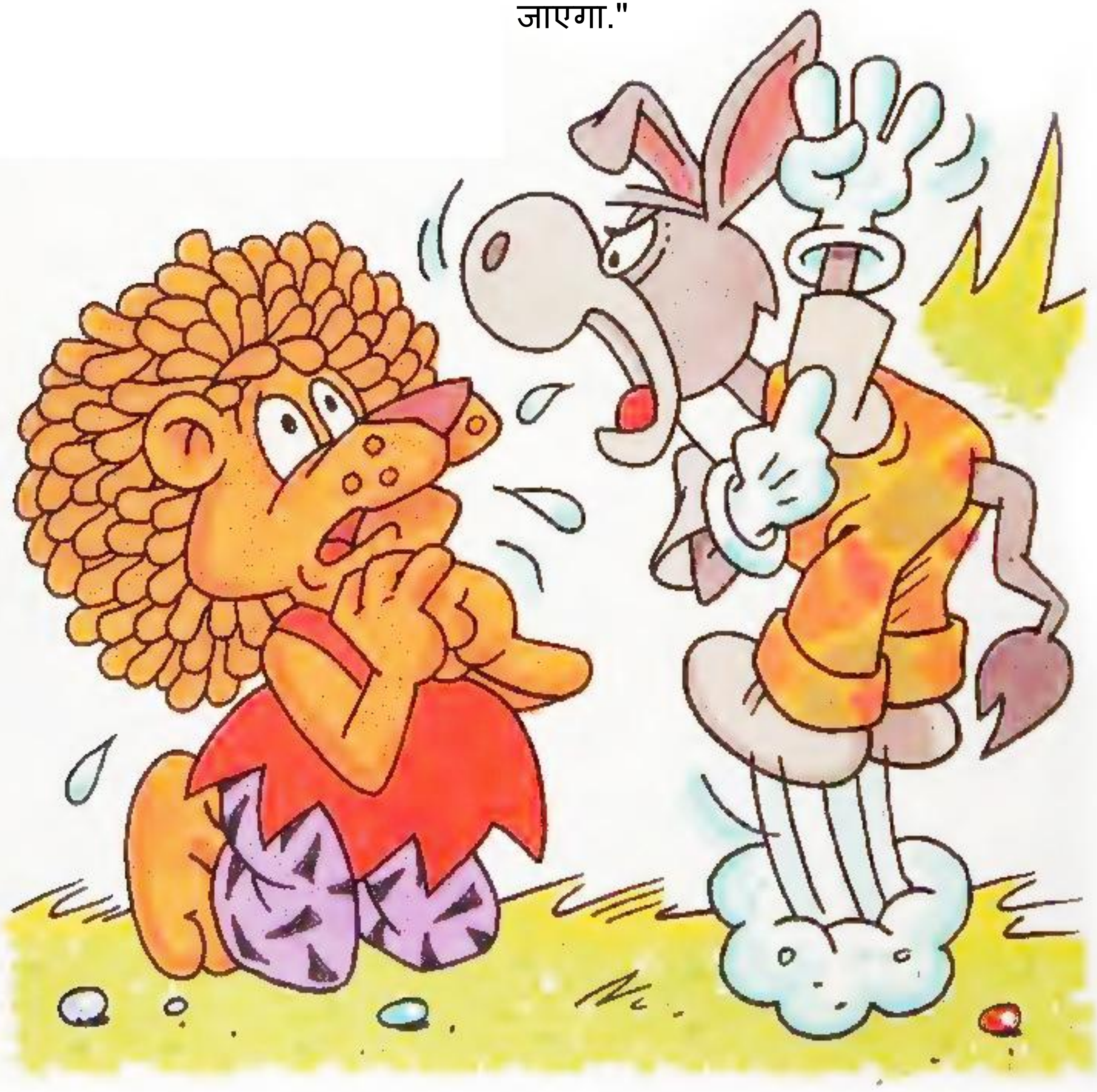

"हाँ, हाँ! मैं समझता हूँ और तुम्हारे नियम मानूँगा!" हार्टले चिल्लाया. डैनियल जानता था कि शेर को यह पता चलने से पहले कि वह सिर्फ़ एक गधा है, उसे हार्टले से छुटकारा पाने के लिए इन नियमों का इस्तेमाल करना होगा.

उसके बाद डैनियल ने आदेश दिए और हार्टले ने उनका पालन किया.

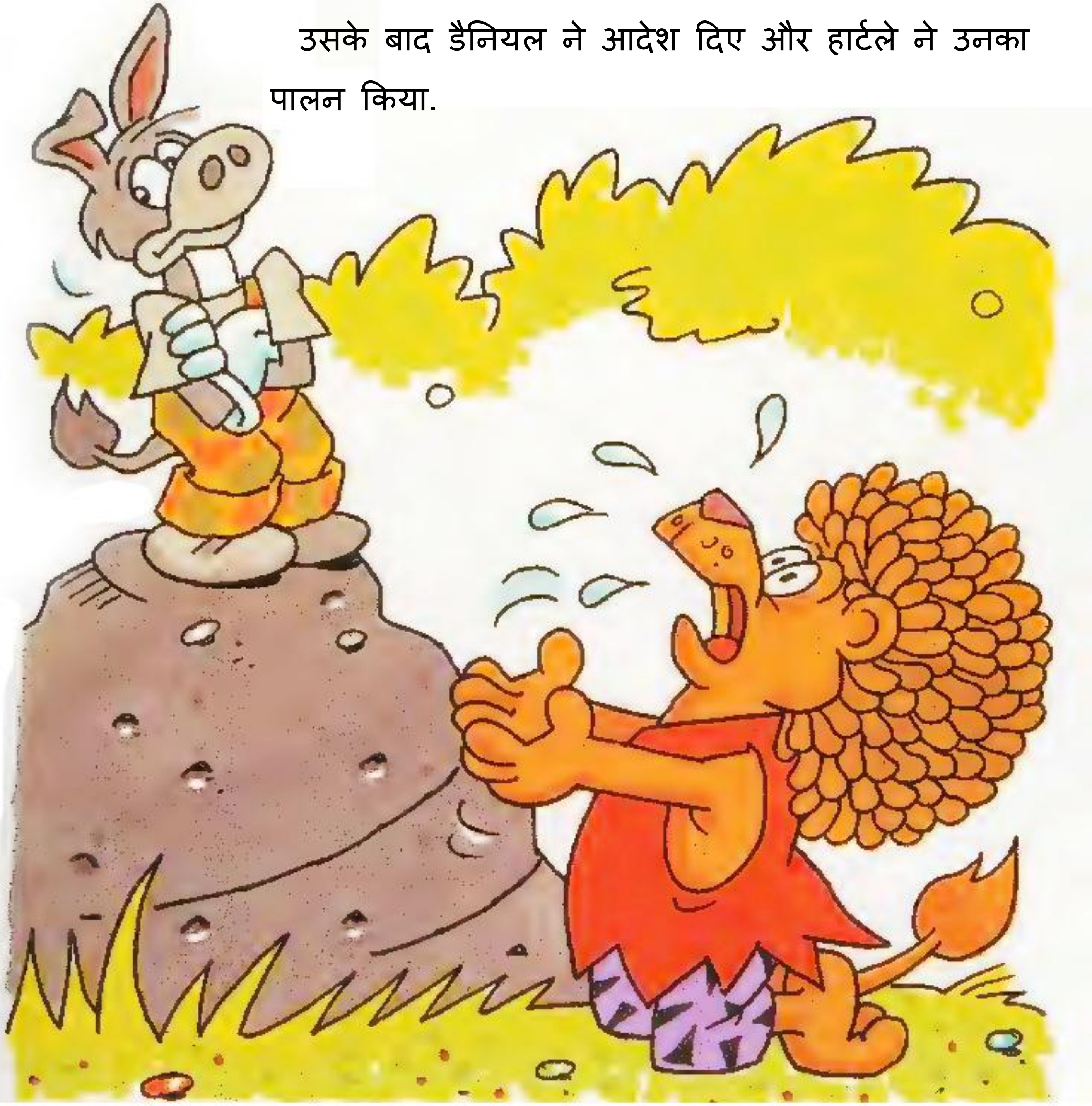

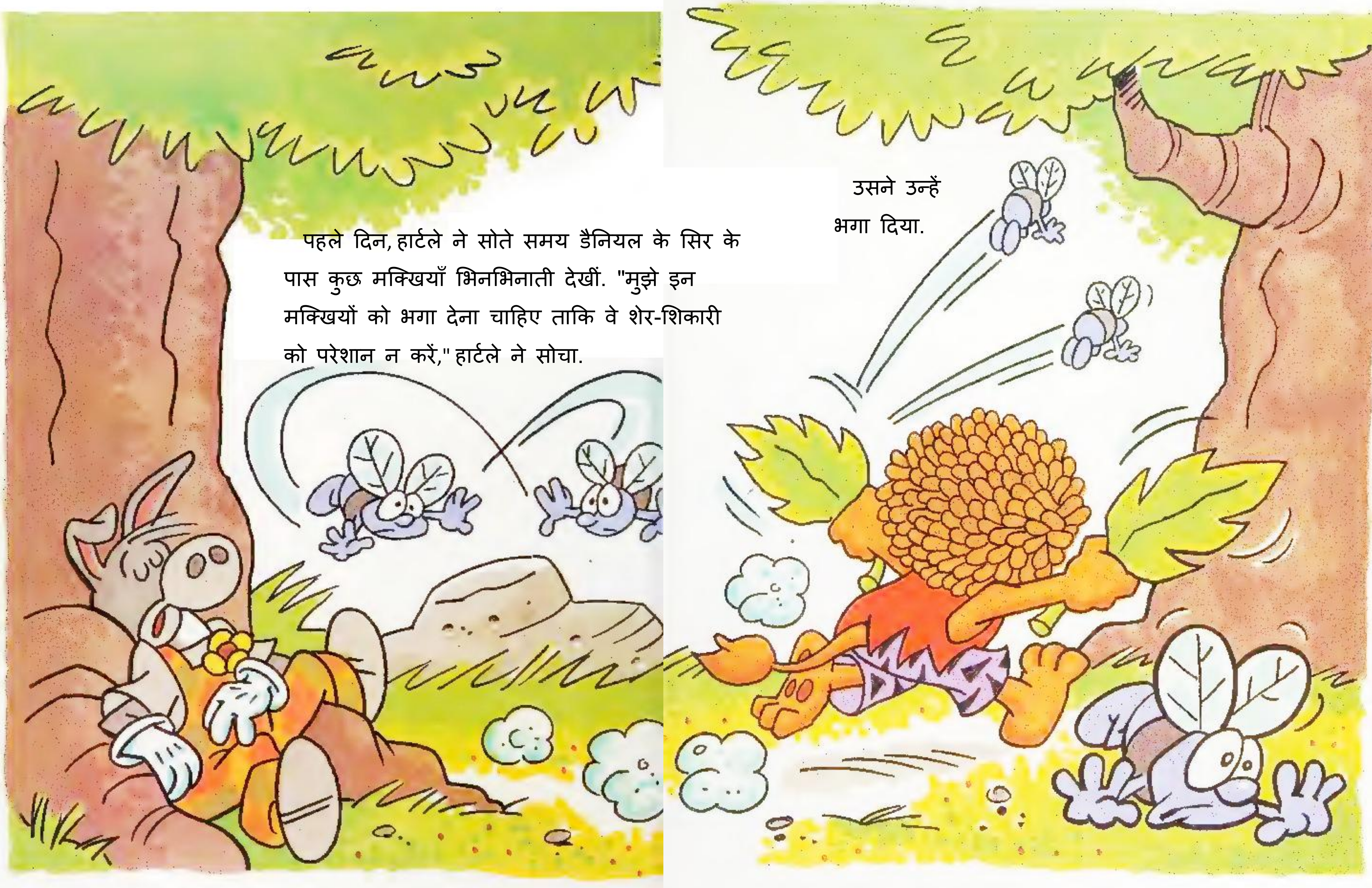

पहले दिन, हार्टले ने सोते समय डैनियल के सिर के पास कुछ मक्खियाँ भिनभिनाती देखीं. "मुझे इन मक्खियों को भगा देना चाहिए ताकि वे शेर-शिकारी को परेशान न करें," हार्टले ने सोचा.

उसने उन्हें भगा दिया.

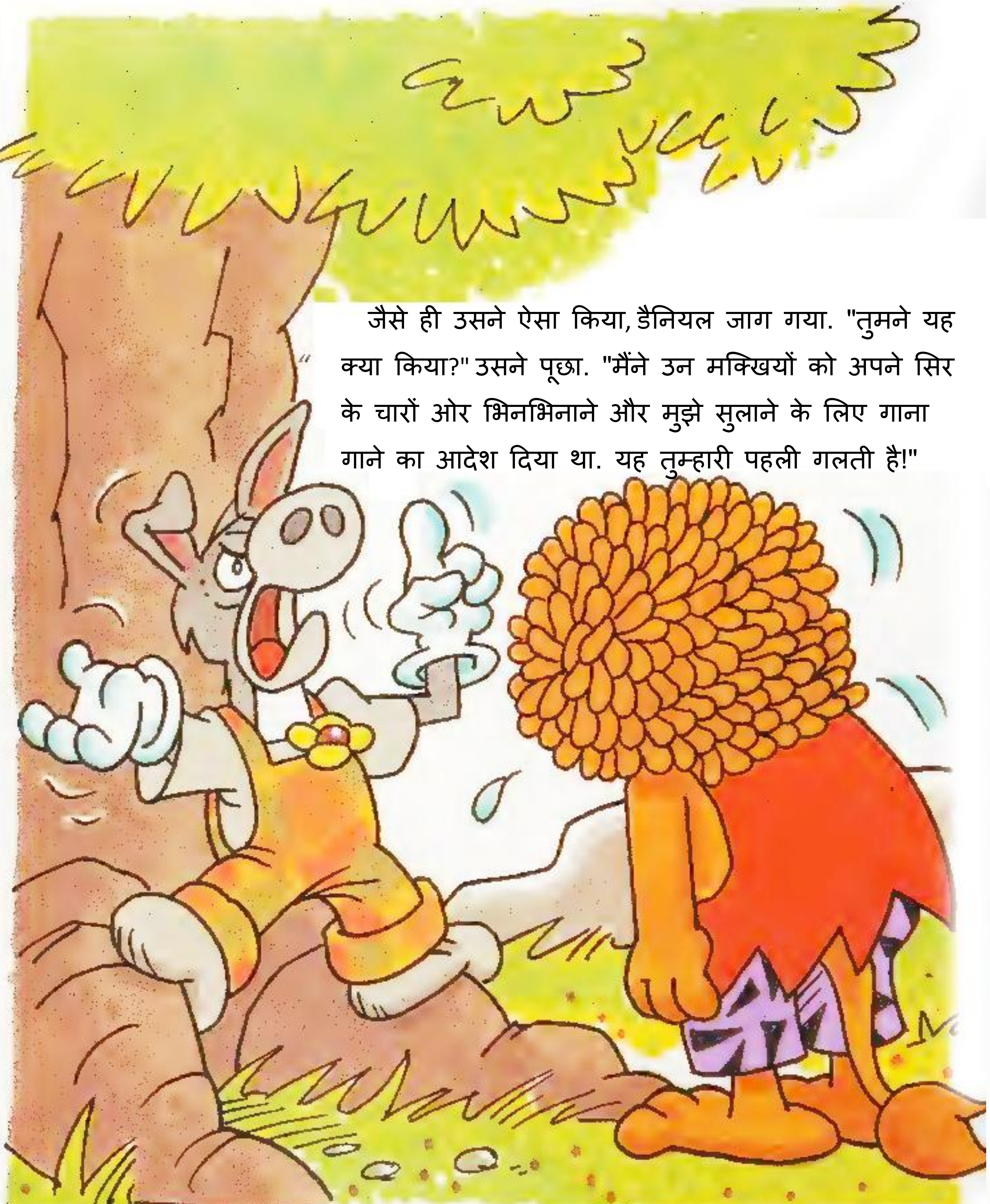

जैसे ही उसने ऐसा किया, डैनियल जाग गया. "तुमने यह क्या किया?" उसने पूछा. "मैंने उन मक्खियों को अपने सिर के चारों ओर भिनभिनाने और मुझे सुलाने के लिए गाना गाने का आदेश दिया था. यह तुम्हारी पहली गलती है!"

दूसरे दिन, जब डैनियल और हार्टले जंगल से गुज़र रहे थे, डैनियल गलती से दलदल में गिर गया, "मैं तुम्हें बचाऊँगा शेर-शिकारी!" हार्टले चिल्लाया. "मैं बहुत ताकतवर हूँ!" फिर उसने जल्दी से डैनियल को दलदल से बाहर निकाला.

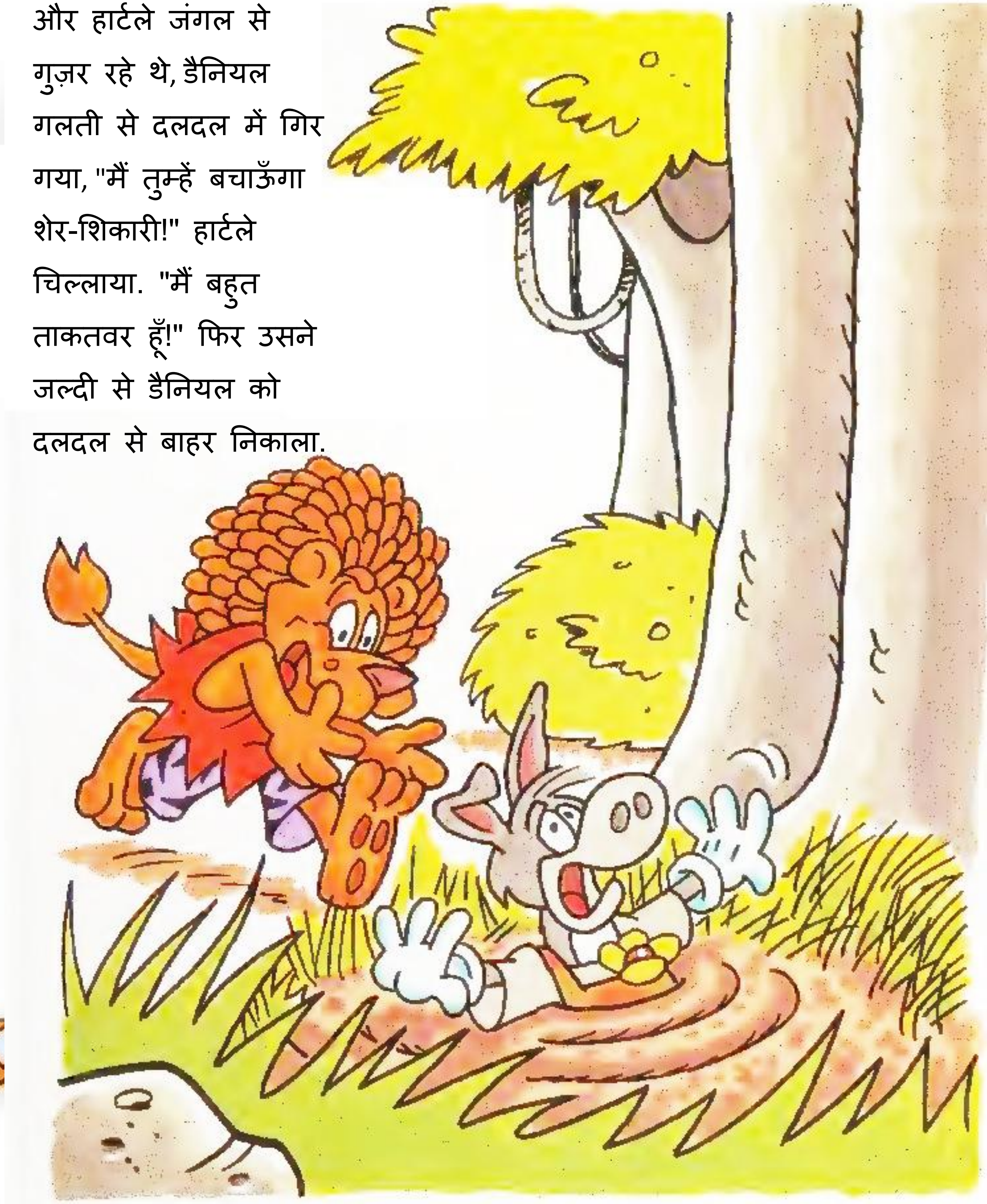

"तुमने मेरा अपमान किया है!" डैनियल गरजा. "मैं तुमसे ज़्यादा ताकतवर हूँ! मुझे तुम्हारी मदद की ज़रूरत नहीं थी! यह तुम्हारी दूसरी गलती है!"

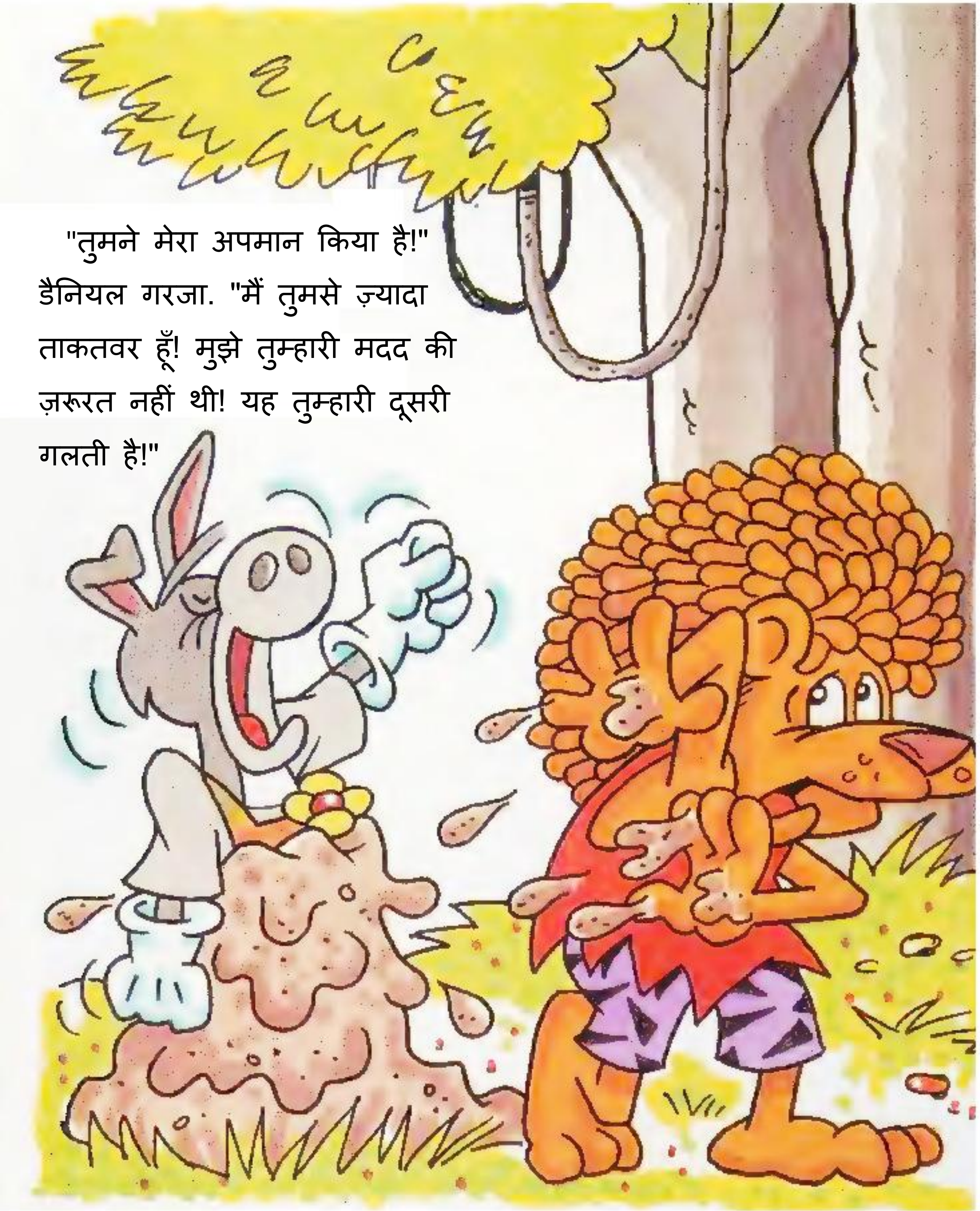

तीसरे दिन, डैनियल और हार्टले एक नदी के किनारे टहल रहे थे.

डैनियल को प्यास लगी, लेकिन जैसे ही वह पानी पीने के लिए नीचे झुका, वह पानी में गिर गया!

"अरे नहीं!" हार्टले चिल्लाया. "मुझे शेर-शिकारी को बचाना होगा इससे पहले कि वह पानी में बह जाए!"

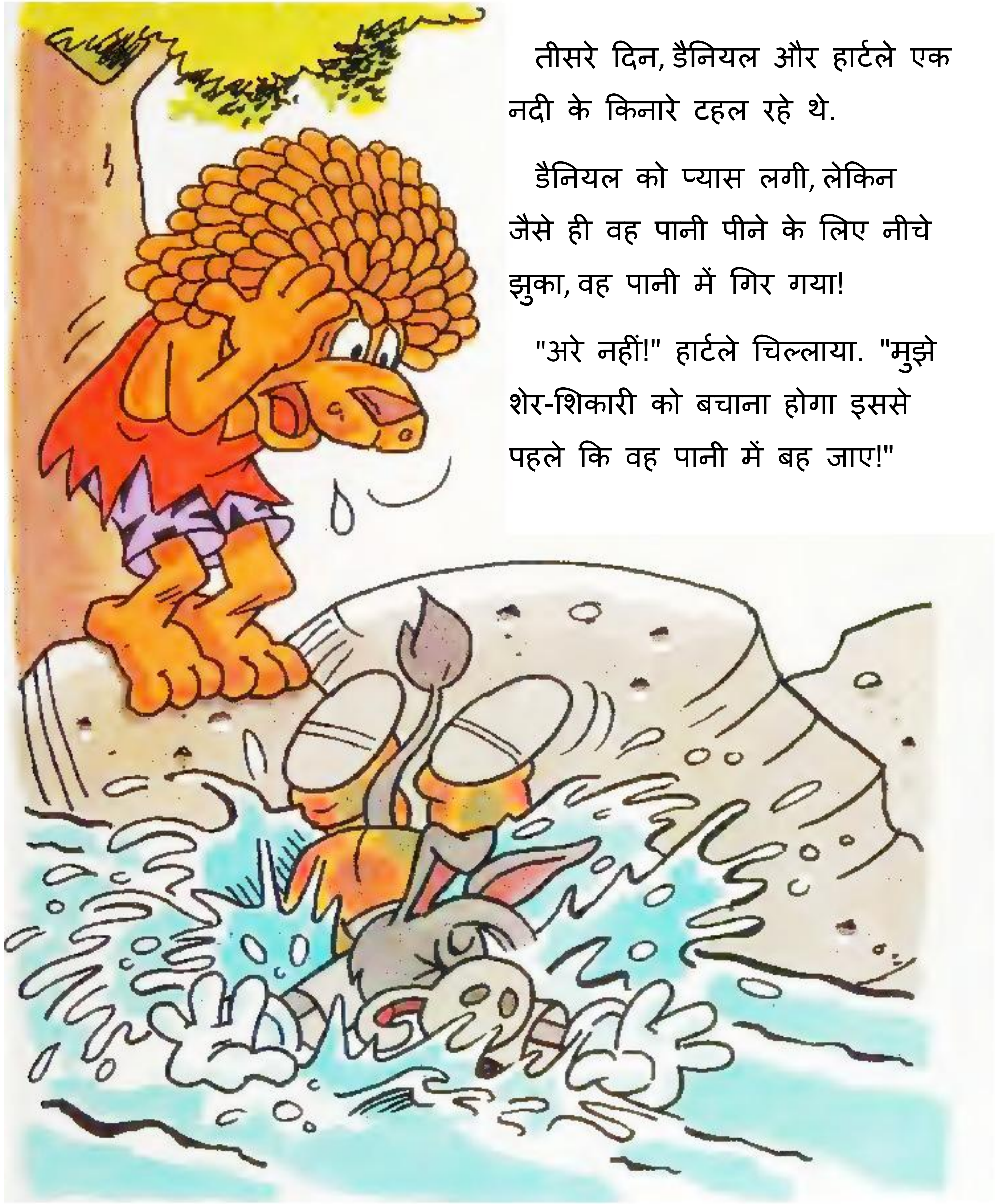

हार्टले नदी में कूद गया और डैनियल को किनारे पर सुरक्षित खींच लिया.

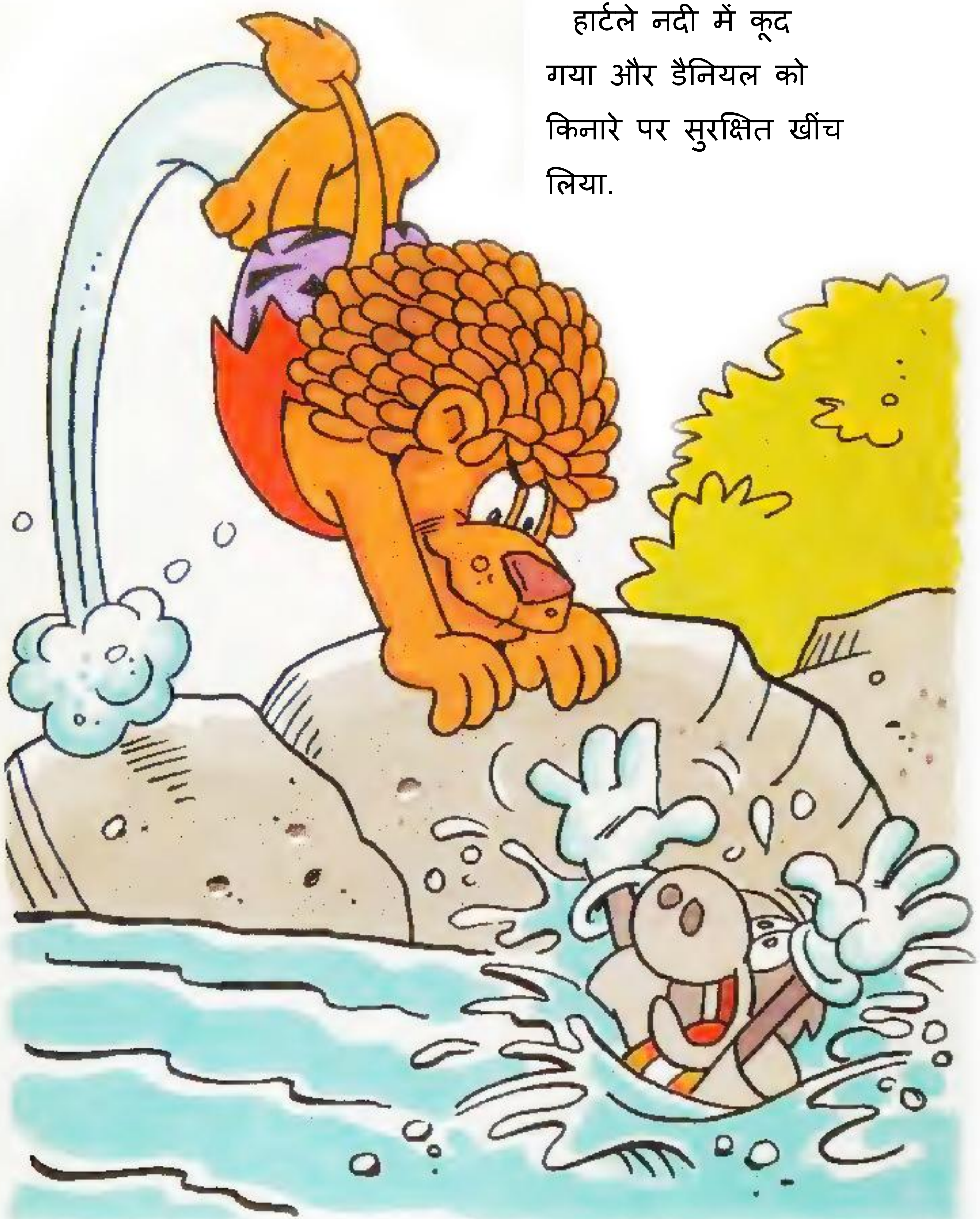

वहाँ लेटे हुए, डैनियल को पता था कि उसे जल्दी से सोचना होगा, नहीं तो हार्टली को यह एहसास हो जाएगा कि वह कमज़ोर है.

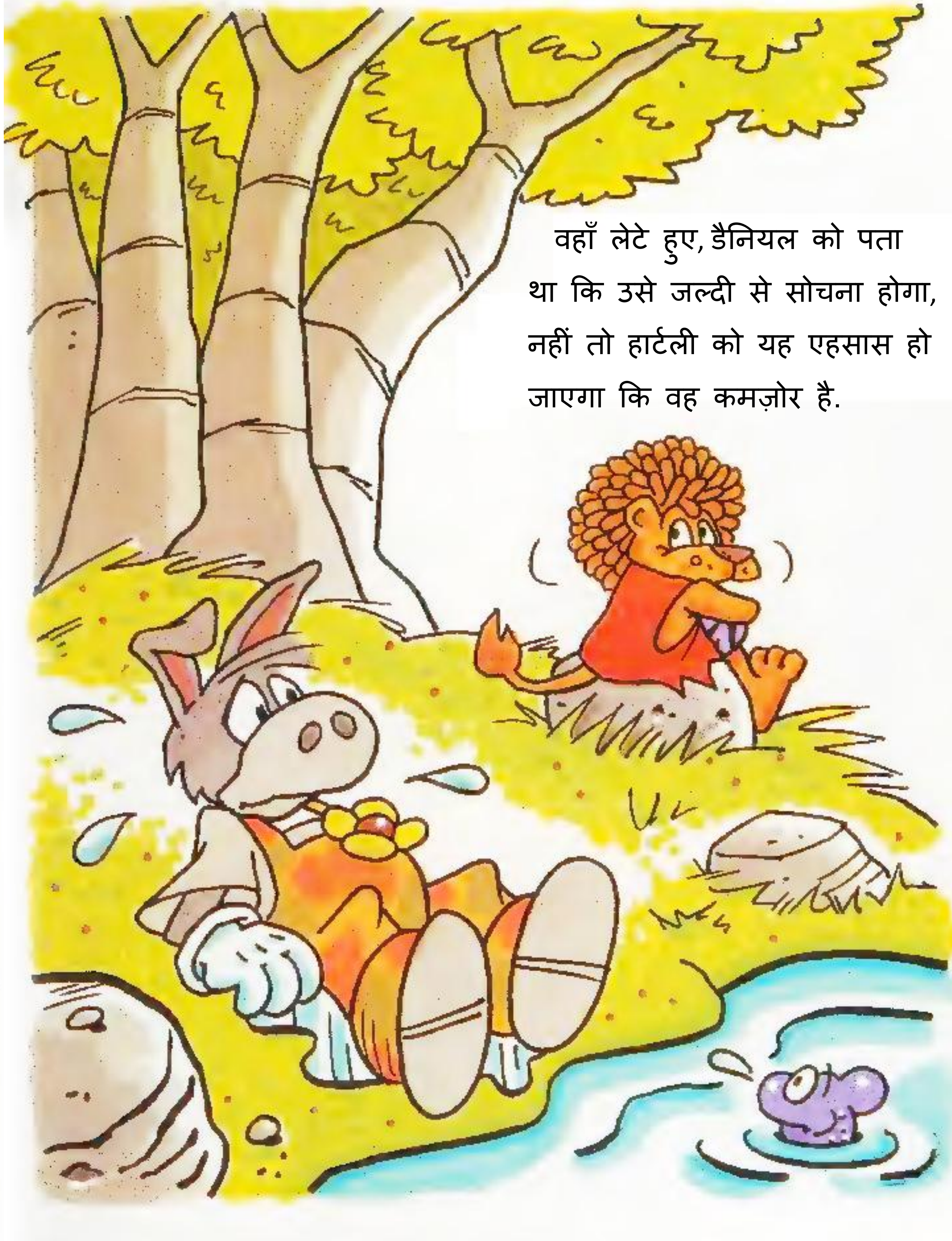

"मैंने तुमसे एक बार कहा था कि मैं इतना ताकतवर हूँ कि मुझे तुम्हारी मदद की ज़रूरत नहीं है!" डैनियल गरजा. "तुमने आखिरी बार मेरा अपमान किया है! यह तुम्हारी आखिरी गलती है! अब मैं अपने नौकरों को बुलाकर तुम्हें जंगल से बाहर निकलवा दूँगा!"

"नहीं!" हार्टली चीखा. वह इतना डर गया था कि वह जंगल में बहुत तेजी से अंदर भागा, जहाँ डैनियल उसका पीछा नहीं कर सके.

"आखिरकार," डैनियल ने कहा. "मैं फिर से खुद बन सकता हूँ और अपनी मर्ज़ी से जी सकता हूँ. मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के बनाए नियमों का पालन करना ज़रूरी नहीं है जो खुद को मुझसे ज़्यादा ताकतवर समझता हो."

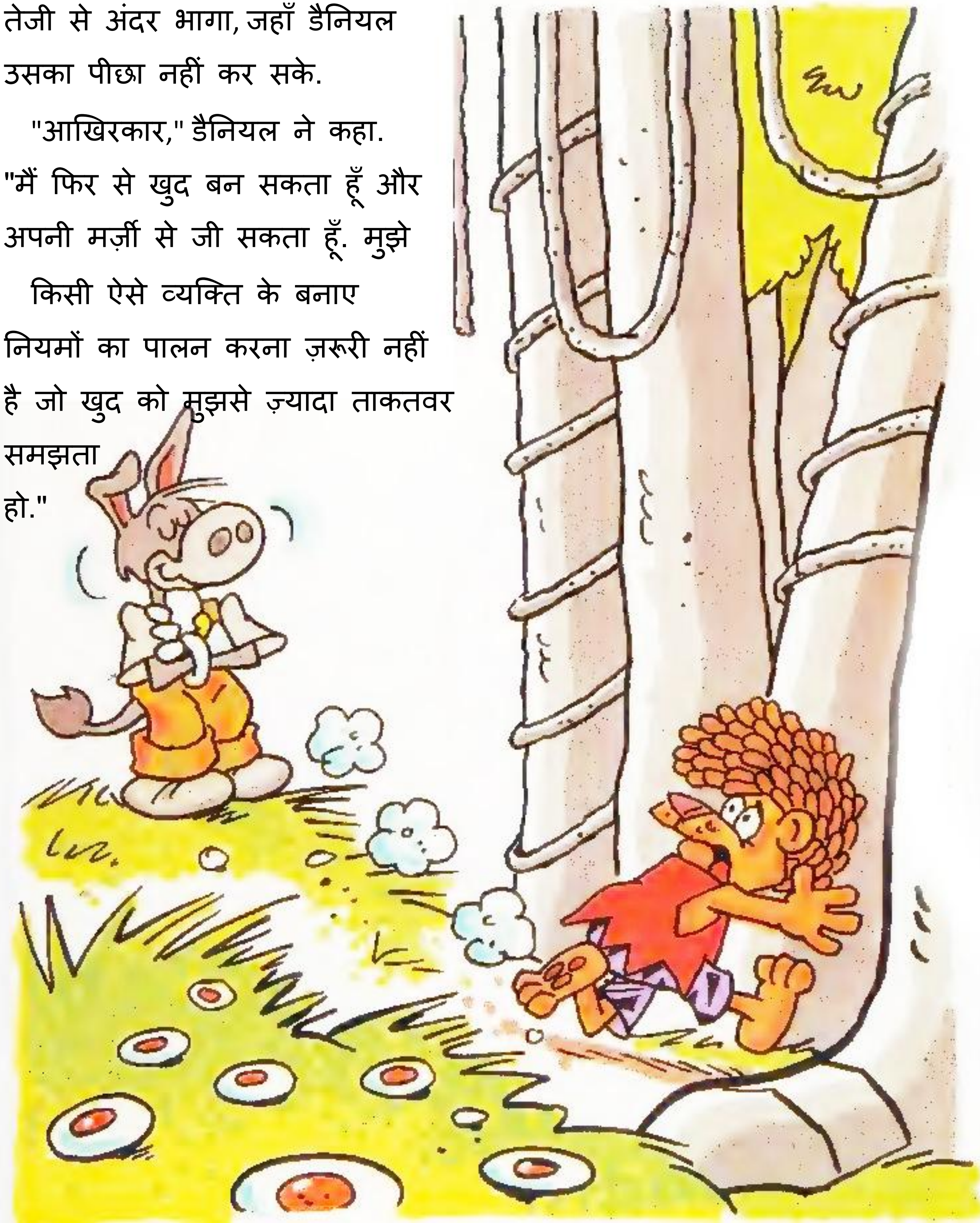

थोड़ी देर बाद, हार्टली ने आखिरकार दौड़ना बंद कर दिया और वो थककर एक पेड़ के पास गिर गया. "मैं बहुत थक गया हूँ," वह हाँफते हुए बोला, "लेकिन मैं शेर-शिकारी को खुद को ढूँढ़ने नहीं दे सकता!"

तभी, एक लोमड़ी ने पास के एक पेड़ के तने से अपना सिर बाहर निकाला.

"हेलो," उसने कहा. "मेरा नाम विली है. क्या बात है, जानवरों के राजा? क्या मैं आपकी कुछ मदद कर सकता हूँ?"

हार्टले ने विली को शेर-शिकारी के साथ अपने अनुभवों की पूरी कहानी सुनाई.

"मेरे प्यारे राजा," विली ने कहा, "आपके वर्णन से तो ऐसा लगता है कि वह जानवर सिर्फ़ एक गधा था. आप गधे से कहीं ज़्यादा ताकतवर हैं!"

"सचमुच...?" हार्टले ने कहा. "सिर्फ़ एक गधा? क्या तुम मेरे साथ इस गधे को सबक सिखाने चलोगे?"

"हाँ," विली ने कहा. "चलो देखते हैं कि उस शेर-शिकारी..यानि गधे को कि वो किस चीज़ का बना है."

दोनों नए दोस्तों ने डैनियल को नदी किनारे चरते हुए पाया. डैनियल ने उन्हें आते देखा और समझ गया कि लोमड़ी ने शायद हार्टली को बता दिया होगा कि वह सिर्फ़ एक गधा है.

एक बार फिर, उसे जल्दी सोचना होगा.

"तुम्हारा शुक्रिया, नौकर लोमड़ी, मेरा शेर वापस लाने के लिए!" डैनियल चिल्लाया. हार्टली ने आश्चर्य से विली की ओर देखा.

"क्या? तुमने मुझे धोखा दिया!"

जैसे ही वह भागने के लिए मुड़ा, विली ने हाथ बढ़ाकर उसे पकड़ लिया.

"भागो मत, हे जानवरों के शक्तिशाली राजा!" विली हँसा. "यह गधा तुम्हें धोखा देने की कोशिश कर रहा है. जंगल का कोई भी जानवर जानता है कि लोमड़ी किसी की नौकर नहीं है. यह गधा मेरा मालिक नहीं है. न ही वह तुम्हारा मालिक है!"

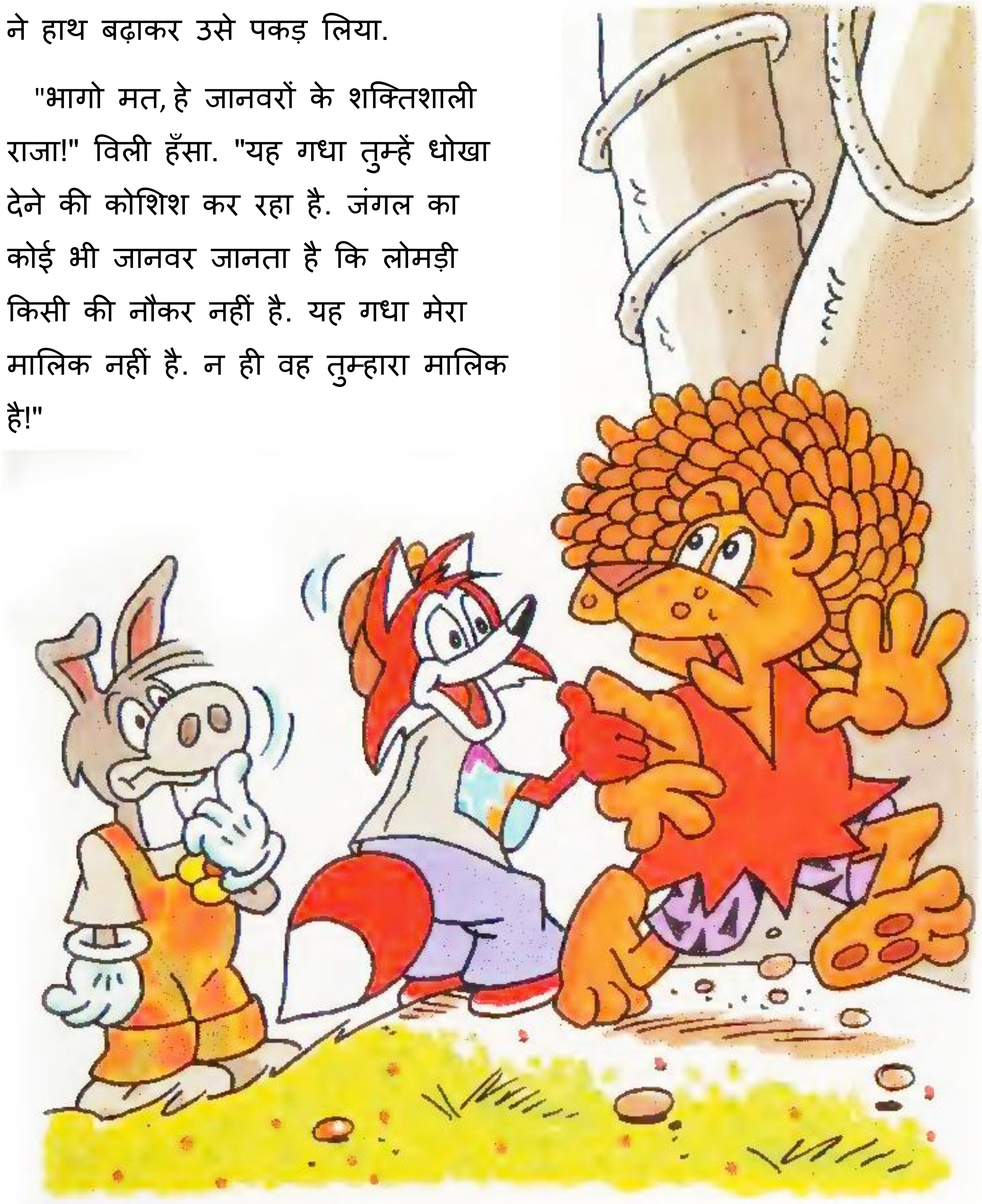

हार्टले डैनियल की ओर मुड़ा. "तुमने मुझे क्यों धोखा दिया?" वह गुर्राया. "मैंने तुम्हारी जान दो बार बचाई. मैं तुम्हारा दोस्त था!"

डैनियल ने अपना सिर झुका लिया. "मुझे माफ़ करना," उसने कहा. "मैं डर गया था क्योंकि तुम एक शक्तिशाली शेर थे और मैं तो बस एक गधा था..."

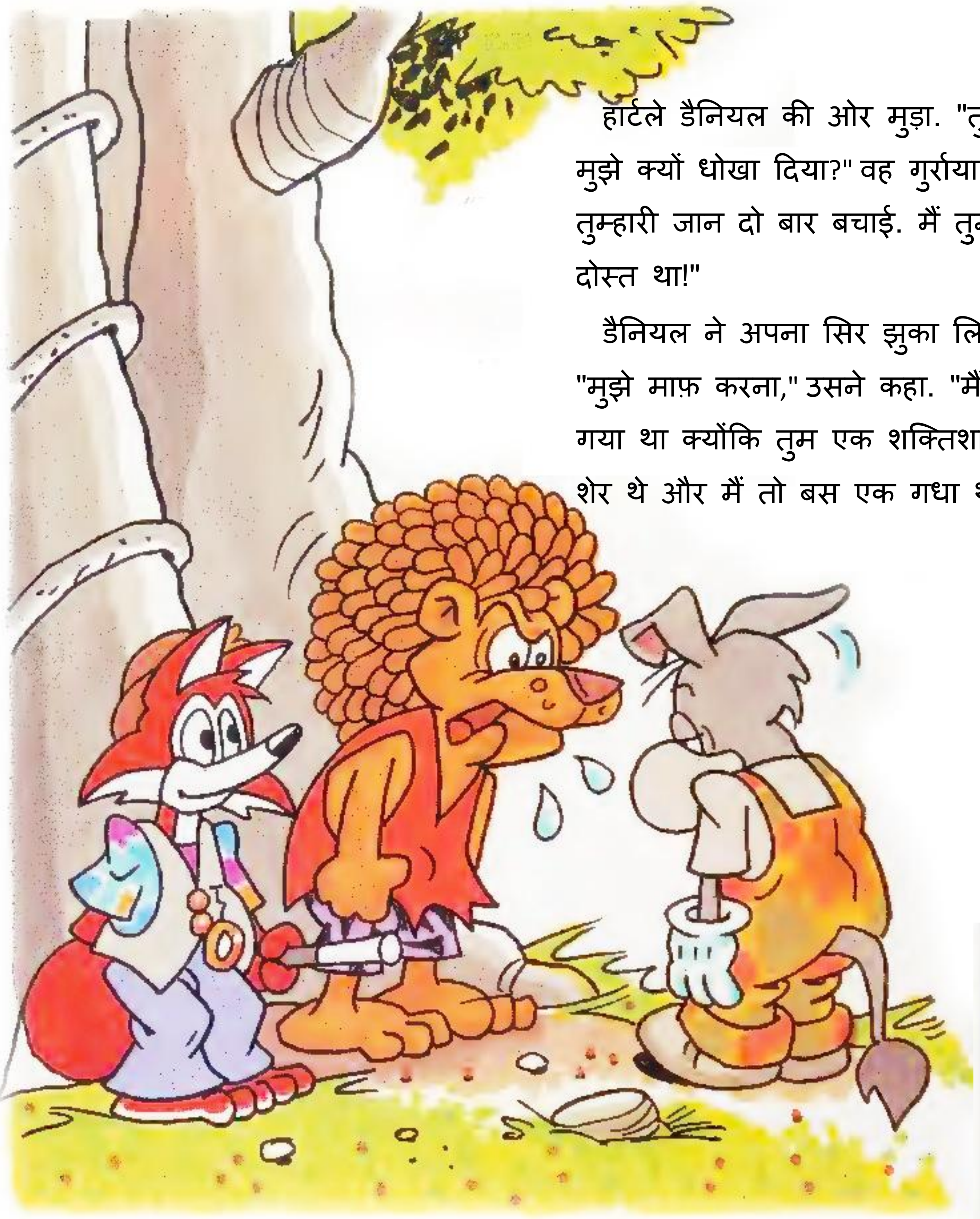

शेर दहाड़ा, "मैं तुम पर बहुत गुस्सा हूँ."

विली बीच में आया. "कृपया, जानवरों के राजा," उसने कहा. "यह गधा अभी छोटा है. इसे माफ़ कर दें और इसे जाने दें."

"बहुत अच्छा, मेरे जवान दोस्त," हार्टले ने कहा. "अब तुम्हें अपने परिवार के पास घर जाना चाहिए. क्योंकि वे तुम्हारी चिंता कर रहे होंगे."

"मैं ज़रूर जाऊँगा," डैनियल ने कहा. "मैं घर पहुँचने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ!"

"मुझे भी जाना होगा," विली ने कहा. "सावधान रहना, डैनियल.. हो सकता है कि अगला जानवर जो तुम्हें मिले, वह हार्टले जितना दयालु न हो."

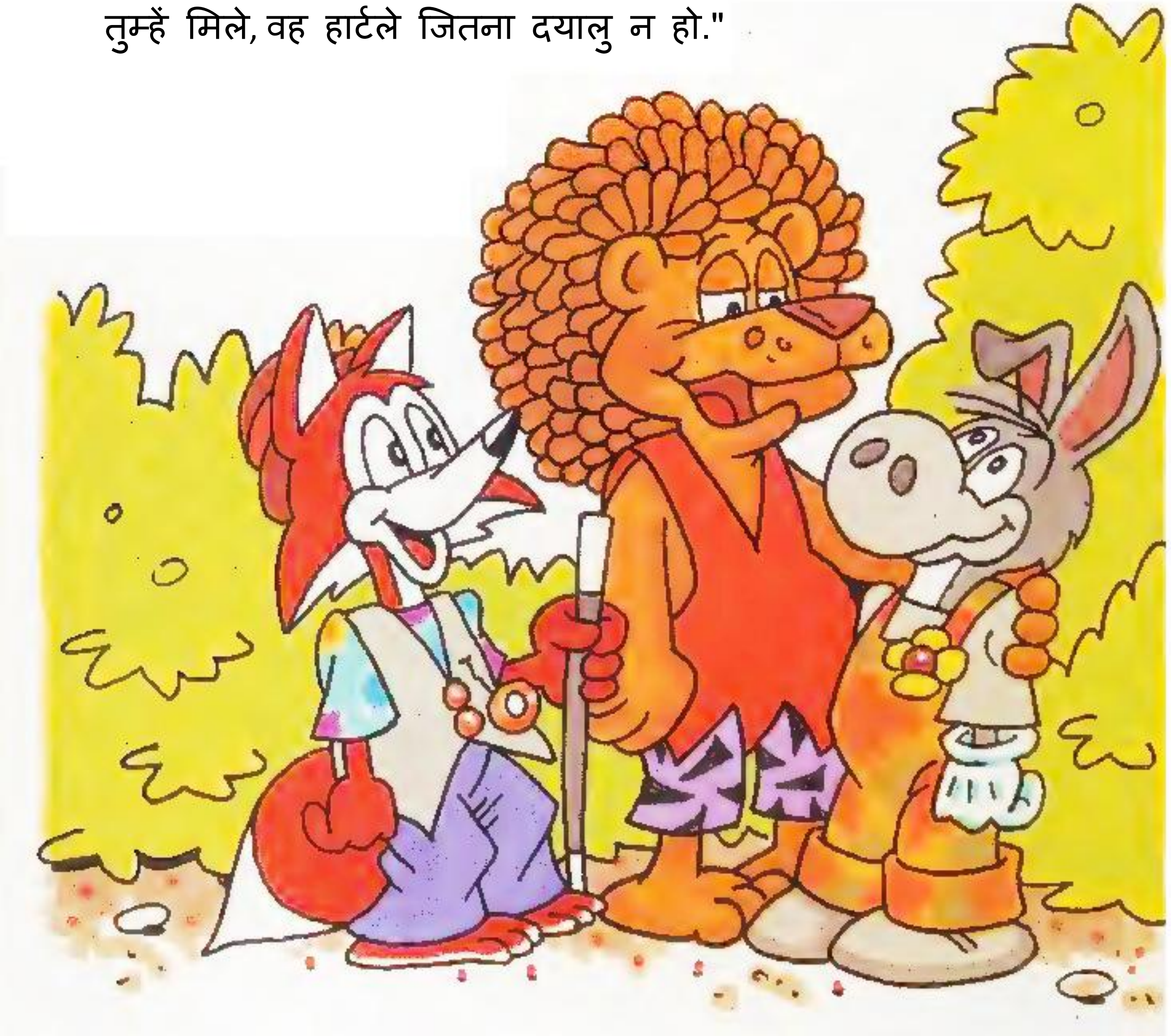

यह कहकर विली और हार्टले डैनियल को उसके व्यवहार पर विचार करने के लिए छोड़ गए. गधे ने तय किया कि भले ही वह ज़िम्मेदारियों से मुक्त था, लेकिन परिवार के नियम उसे खतरे से बचाने के लिए बनाए गए थे. वह यह भी जानता था कि अगर उसे गुज़ारा करने के लिए इस तरह की तरकीबों पर निर्भर रहना पड़ा, तो निश्चित रूप से वह अकेले रहने के लिए तैयार नहीं था.

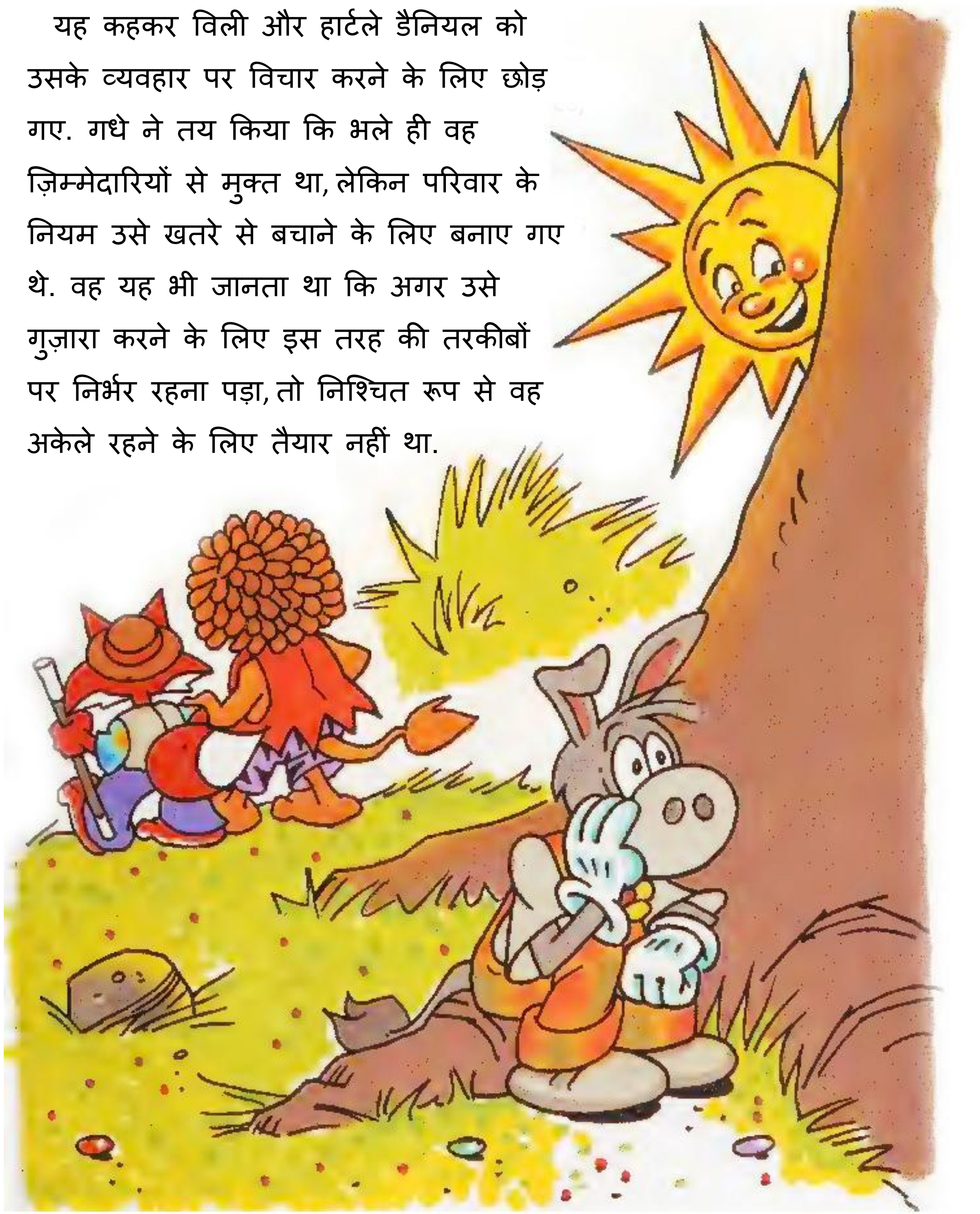

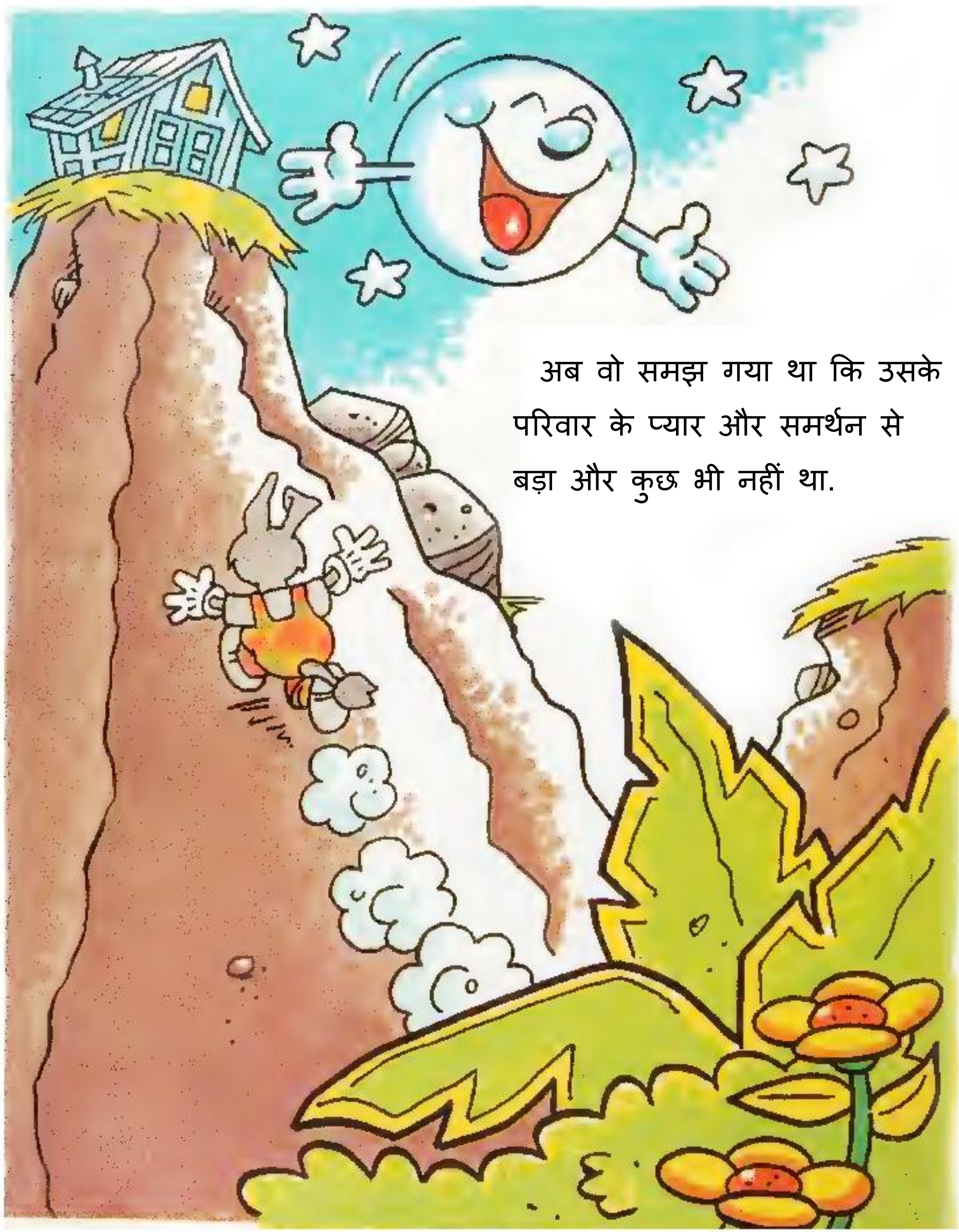

अब वो समझ गया था कि उसके परिवार के प्यार और समर्थन से बड़ा और कुछ भी नहीं था.